मूल्य 1 रु.

वर्षः 11 - अंक : 209, मुंबई, गुरुवार, 7 अक्टूबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

नवरात्री में प्रसाद के लिए
मलाई पेड़ा ₹660/- 600/-
काजू कतरी ₹980/- 880/-
खोपरापाक ₹620/- 520/-
बूंदी (शुद्ध घी) ₹400/- 300/-
शुद्ध घी की जलेबी ₹540/- per kg
Valid 07-10-21 to 14-10-21
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

क्रूज रेव पार्टी में महाराष्ट्र के मंत्री का आरोप

नवाब मलिक बोले- आर्यन के साथ सेल्फी लेने वाला PRIVATE DETECTIVE

अरबाज को घसीटने वाला भाजपा नेता

नवाब मलिक ने मनीष भानुशाली की पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ फोटो जारी की हैं।

नवाब मलिक ने क्रूज पर पड़े छापे में भाजपा की संलिप्तता की ओर इशारा किया है। उनका आरोप है कि भाजपा के नेता भी इसका हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि क्रूज शिप पर की गई छापे की कार्रवाई पूरी तरह से फर्जी है। क्रूज लाइनर से किसी भी तरह की ड्रग्स को बरामद नहीं किया गया था

अरबाज को एनसीबी ऑफिस ले जाते समय उनके साथ मौजूद मनीष भानुशाली (बाएं- लाल शर्ट में)

आर्यन के साथ सेल्फी लेने वाला केपी गोसावी (बाएं), जिसे नवाब मलिक ने फ्रॉड कहा।

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने क्रूज रेव पार्टी को लेकर बुधवार को बड़ा आरोप लगाया। मलिक ने रेड के दौरान सामने आए वीडियो और फोटो का हवाला देते हुए कहा कि शाहरुख खान के बेटे आर्यन के साथ सेल्फी लेने वाला शख्स केपी गोसावी खुद को प्राइवेट डिटेक्टिव कहता है। वहीं, आर्यन के दोस्त और अरबाज को घसीटकर एनसीबी ऑफिस ले जाने वाला शख्स मनीष भानुशाली भाजपा का पदाधिकारी है। इन आरोपों के बाद एनसीबी के अफसर सामने आए। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मलिक ने कहा- गोसावी फ्रॉड है, पुणे में दर्ज है केस

नवाब मलिक ने बुधवार को महाराष्ट्र एनसीपी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसी में उन्होंने दावा किया आर्यन के साथ सेल्फी लेने वाला केपी गोसावी एक फ्रॉड व्यक्ति है और खुद को प्राइवेट डिटेक्टिव बताता है। जबकि उसके खिलाफ पुणे में फर्जीवाड़े का केस दर्ज है। जानकारी के मुताबिक, किरण गोसावी केपीजी ड्रीम्स नाम की कंपनी के मालिक हैं। इस कंपनी के मुंबई और नवी मुंबई में ऑफिस हैं। गोसावी एक निजी जासूस के तौर पर काम करता है और महाराष्ट्र के कई सीनियर ऑफिसर्स के साथ उसके संबंध हैं।

महाराष्ट्र पहुंची लखीमपुर हिंसा की आंच

11 अक्टूबर को उद्धव सरकार का बंद का ऐलान

संवाददाता

मुंबई। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर हिंसा की आंच दूसरे राज्यों तक भी पहुंच रही है। महाराष्ट्र में शिवसेना के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार ने किसानों के मारे जाने के विरोध में 11 अक्टूबर को पूरे राज्य में बंद की घोषणा की है। एनसीपी नेता और सरकार के मंत्री जयंत पाटिल ने कहा कि हिंसा में मारे गए किसानों को जल्द से जल्द यूपी सरकार न्याय दिलाए, इसलिए हमने एक दिन के बंद का ऐलान किया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

शरद पवार ने जलियांवाला बाग से की तुलना

15 करोड़ रुपये की ड्रग्स के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। मुंबई पुलिस के मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) ने यहां डोंगरी इलाके से दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 15 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन जब्त की। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी राजस्थान के निवासी हैं और वे शहर में अपने ग्राहकों को प्रतिबंधित मादक पदार्थ बेचने आए थे। अधिकारी ने कहा की गोपनीय सूचना के आधार पर मुंबई पुलिस के अपराध शाखा की एएनसी ने दोनों आरोपियों को दक्षिण मुंबई के डोंगरी क्षेत्र से गिरफ्तार किया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

महिलाओं के हक में

लखनऊ में आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल महिलाओं के हक में जो घोषणा की, वह सराहनीय तो है ही, उसके गहरे निहितार्थ भी हैं। उत्तर प्रदेश के 75 जिलों के 75 हजार लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटित घरों की चाबी सौंपते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से दिए जाने वाले मकानों का मालिकाना हक महिलाओं के नाम होगा। इसमें कोई दोराय नहीं कि निचले स्तरों पर देश की महिलाओं की आर्थिक स्थिति दयनीय है और इस तरह के सरकारी प्रयास न सिर्फ उनके भीतर आर्थिक सुरक्षा के भाव पैदा करेंगे, बल्कि उनकी पारिवारिक-सामाजिक हैसियत में भी इनसे इजाफा होगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने यह अहम सूचना भी दी कि अब तक इस योजना के तहत शहरी क्षेत्रों में जितने भी आवास आवंटित किए गए हैं, उनमें से 80 प्रतिशत से भी ज्यादा घर महिलाओं के नाम पंजीकृत हैं। किसी भी देश की तरक्की को मापने की जो आधुनिक कसौटियां हैं, उनमें एक अहम कसौटी यह है कि वहां की स्त्रियों की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति कैसी है? निस्संदेह, विगत कुछ दशकों में भारत ने महिलाओं के उन्नयन के लिहाज से सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन किया है। महिला साक्षरता दर जहां 70 फीसदी से भी ऊपर पहुंच गई है, तो वहीं सुरक्षित मातृत्व के मामले में भी देश ने अच्छी प्रगति की है। दो दशक पहले प्रति एक लाख प्रसव के दौरान 300 से अधिक माओं की जान चली जाती थी, आज यह संख्या घटकर 110 के करीब आ गई है। स्थानीय निकायों में उनका प्रतिनिधित्व पुरुषों के बराबर हो चला है। लेकिन आर्थिक मामले में अब भी उन्हें लंबा सफर तय करना है, और उनकी वास्तविक प्रगति तभी संभव होगी, जब वे आर्थिक रूप से खुदमुख्तार हो सकेंगी। हाल के वर्षों में हुए कई कानूनी प्रावधानों ने पैतृक संपत्ति में बेटी को स्पष्ट वैधानिक अधिकार दिए हैं, मगर हकीकत यही है कि एक बेटी या बहू के लिए खानदानी जायदाद से हिस्सा हासिल करना सामाजिक तौर पर अब भी बहुत कठिन है। देश के संविधान ने तो अपने वजूद के साथ ही उन्हें सारे हक बराबरी से दिए, मगर पितृ सत्तात्मक समाज को सदियों पुरानी जकड़न से निकलने में वक्त लगना ही था। ऐसे में, एक के बाद दूसरी सरकारों, नीति-निर्धारकों ने उनके सशक्तीकरण के लिए कदम उठाए हैं। मसलन, स्त्रियों के मालिकाना हक को प्रोत्साहित करने के लिए न सिर्फ उनके नाम संपत्ति के पंजीकरण शुल्क में बड़ी छूट घोषित की गई, बल्कि विभिन्न प्रकार के करों में भी रियायतें दी गई हैं। हालांकि, आदर्श स्थिति तक पहुंचने के लिए अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी कोशिशें इस लिहाज से सार्थक पहल कही जाएंगी। प्रधानमंत्री की घोषणा के गहरे राजनीतिक संदेश भी हैं। कई मौकों पर वह यह जता चुके हैं कि उनकी चुनावी सफलताओं में महिला शक्ति का भारी योगदान है। जाहिर है, चंद महीनों बाद ही कई बड़े प्रदेशों के विधानसभा चुनाव में उन्हें महिला वोटरों से मुखातिब होना है। ऐसे में, उन्हें आश्वस्त करने का एक और आधार प्रधानमंत्री के पास होगा। बहरहाल, देश की स्थायी खुशहाली के लिए यह जरूरी है कि महिलाएं आर्थिक धरातल पर पूरी मजबूती से खड़ी हों।

किसान आन्दोलन का हल?

भारत पूरी दुनिया में अकेला ऐसा लोकतान्त्रिक देश है जिसके विकास और प्रगति का सौपान सीधे कृषि क्षेत्र अर्थात किसानों के विकास और प्रगति से बन्धते हुए वैज्ञानिक व आर्थिक विकास की सीढ़ियां इस प्रकार चढ़ा है कि इसकी गिनती आज दुनिया के दस औद्योगीकृत राष्ट्रों में होती है। 1947 में जब भारत आजाद हुआ था तो इसकी कुल 33 करोड़ आबादी के 90 प्रतिशत से भी अधिक लोग खेती पर निर्भर थे और आज लगभग 133 करोड़ आबादी के केवल 60 प्रतिशत लोग ही खेती पर निर्भर करते हैं। आजादी के बाद देश चलाने वाले नेताओं की सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह थी कि किस प्रकार अर्थव्यवस्था की रीढ़ खेती को समृद्ध व मजबूत बनाया जाये जिससे इस क्षेत्र से निकल कर लोग दूसरे काम-धन्धों में लग सकें और औद्योगीकरण की गति तेज हो सके। अतः प्रथम प्रधानमन्त्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने जिस कृषि नीति को बनाया उसमें किसानों को अधिकाधिक सम्पन्न बनाने के लिए सरकारी मदद का प्रावधान किया जिससे किसान समानान्तर रूप से आत्मनिर्भर होते हुए कृषि पैदावार बढ़ा कर समूचे देश को अन्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना सकें और इसके साथ ही इस क्षेत्र में लगे लोग अधिकाधिक संख्या में अन्य उद्योग क्षेत्रों में प्रवेश कर सकें। बेशक यह संरक्षित अर्थव्यवस्था का वह स्वरूप था जिसमें सरकार कमजोर वर्गों या क्षेत्रों को मदद प्रदान करती है। यह प्रक्रिया बहुत पेचीदा थी क्योंकि सरकार कृषि क्षेत्र से वसूले जाने वाले भू-राजस्व के अलावा अन्य क्षेत्रों को विकसित करके उनके माध्यम से अपनी आय में वृद्धि करना चाहती थी। हम इस रास्ते पर आगे बढ़ते हुए कामयाब हुए और हमने कृषि विकास के कई चरण पूरे करते हुए औद्योगिक विकास का लक्ष्य प्राप्त किया। कहने का मतलब सिर्फ इतना सा है कि जैसे-जैसे भारत कृषि क्षेत्र में मजबूत होता गया इसकी अर्थव्यवस्था उसी अनुपात में सशक्त होती गई और अन्य उद्योग-धंधे भारत में पनपने लगे। जिसका परिणाम यह है कि 1947 में जहां भारत का कुल बजट मात्र 259 करोड़ रुपए था वहीं आज यह बढ़ कर 20 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो चुका है। यह कोई छोटी-मोटी उपलब्धि नहीं है मगर इस उपलब्धि के पीछे मुख्य भूमिका कृषि क्षेत्र की इस प्रकार रही कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक तरफ पुख्ता बनाता रहा और दूसरी तरफ अन्य क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराता रहा साथ ही सरकारी क्षेत्र में बड़े उद्योगों की स्थापना से देशभर में सहायक (एंसीलरी) उद्योगों की स्थापना हुई। अतः सबसे पहले यह समझा जाना बहुत जरूरी है कि कृषि क्षेत्र की मजबूती पर ही भारत की समस्त औद्योगिक व्यवस्था आज भी टिकी हुई है क्योंकि इस परिवर्तन के बावजूद आज भी साठ प्रतिशत लोग खेती पर निर्भर करते हैं। देश में पिछले दस महीनों से चल रहे किसान आन्दोलन को देखते हुए यह बहुत जरूरी हो जाता है कि भारत इस असमंजस से बाहर निकले जो तीन कृषि कानूनों को लेकर बनी हुई है। 1991 के भारत में बाजार मूलक अर्थव्यवस्था का दौर शुरू होने पर इसके दायरे में कृषि क्षेत्र को छोड़ कर शेष सभी क्षेत्र आ चुके हैं। सरकार का मुख्य उद्देश्य कृषि को बाजारमूलक तत्वों से जोड़ना माना जा रहा है जिसका विरोध किसान कर रहे हैं। किसानों का मानना है कि कृषि क्षेत्र को सरकारी संरक्षण की जरूरत इसलिए है जिससे उनकी लागत और उपज मूल्यों के बीच समुचित लाभ प्रदा बनी रहे। जबकि सरकार इन्हें बाजार की शक्तियों पर छोड़ना चाहती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बदली हुई परिस्थितियों के अनुरूप कृषि संशोधनों की जरूरत है मगर ये संशोधन इस प्रकार होने चाहिए जिससे किसानों में असुरक्षित होने का भाव पैदा न हो सके। बाजार के नियमों व ताकतों पर कृषि उपज को छोड़ने से भारी असन्तुलन पैदा होने का खतरा इसलिए रहेगा क्योंकि किसान के माल की सप्लाई फसल (सीजन) पर निर्भर करती है जबकि उसकी मांग साल भर रहती है। सीजन के समय सप्लाई थोक में होने से निजी व्यापारी की शर्त पर भाव तय होने लगते हैं जिसकी वजह से किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य की सरकारी गारंटी चाहते हैं। देखने में यह मसला बहुत सीधा-सादा लगता है परन्तु वास्तव में इसमें कई पेंच हैं। सबसे बड़ा पेंच यह है कि खाद्य सामग्री की कीमतों को सीधे बाजार की ताकतों के हवाले करने से देश की 70 प्रतिशत मध्यम व निम्न मध्यम वर्ग की जनता को महंगाई की मार झेलने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता अतः सरकार के हाथ में ऐसा हथियार होना जरूरी है जिससे वह मुनाफाखोरों की कमर तोड़ने के लिए वक्त जरूरत के मुताबिक बाजार में हस्तक्षेप कर सके। संरक्षणवादी अर्थव्यवस्था में इन सब चिन्ताओं का ख्याल रखा गया था और किसानों की लागत के सामान को उचित कीमतों पर बनाये रखने की व्यवस्था की गई थी किन्तु बाजार मूलक अर्थव्यवस्था इन चिन्ताओं को निरर्थक मानती है। असली विवाद की जड़ यही है जिसे सुलझाये जाने की जरूरत है। मगर इसके लिए बहुत जरूरी है कि किसानों और सरकार में आमने-सामने बैठकर बातचीत हो और रंजिश का चालू माहौल समाप्त हो जिसके चलते ही उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में बर्बर व दर्दनाक घटना हुई है। हमें याद रखना चाहिए कि उत्तर प्रदेश के पथरीले व जंगली इलाकों को उपजाऊ बनाने में पंजाब से आये किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राज्य के जो इलाके आज बहुत उपजाऊ माने जाते हैं वे आजादी मिलने के समय वीरान हुआ करते थे और उस समय इस राज्य के मुख्यमन्त्री श्री गोविन्द बल्लभ पन्त ने पाकिस्तान से आये पंजाबी शरणार्थियों को यहां बसाया था और उन्हें खेती करने के लिए प्रेरित किया था। इन लोगों ने आज ऐसे सभी पथरीले व जंगली खास कर तराई वाले इलाकों को ह्यचमनह्ल में तब्दील कर दिया है। लखीमपुर खीरी का इलाका भी ऐसा ही माना जाता है। मगर हमें राष्ट्रीय स्तर पर सोचना होगा कि किसानों का सम्मान करके हम भारत माता के मेहनती सपूतों का ही सम्मान करेंगे अतः अब किसान आन्दोलन का दीर्घकालीन हल निकाला ही जाना चाहिए।

सांस्कृतिक राजनीति में एक नया मोड़

आगामी विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा अपनी राजनीति के सांस्कृतिक भूगोल का लगातार विस्तार करती जा रही है। इसमें नए प्रतीक और नए व्यक्तित्व जुड़ते जा रहे हैं। सांस्कृतिक राजनीति की रणनीति में इस बार एक नया मोड़ दिखाई दे रहा है। यह मोड़ है पौराणिक और पारंपरिक प्रतीकों के साथ मध्यकालीन हंिहंदु राजाओं एवं औपनिवेशिक दौर में आजादी की लड़ाई के प्रतीक नायकों की खोज कर उन्हें सम्मान देना। वस्तुतः नायकों की खोज, उन्हें सम्मान देने की प्रक्रिया में एक गर्व का भाव सृजित होता है, जो सामाजिक समूहों को जोड़ने एवं उनसे जुड़ने के लिए एक आधार तत्व का काम करता है। यह गर्व भाव राष्ट्रीय एवं जातीय स्वाभिमान, दोनों ही रूपों में सक्रिय रहते हुए एक तरफ सामाजिक समुदायों में सामाजिक आत्मविश्वास पैदा करता है, दूसरी तरफ जो

राजनीतिक दल जिन सामाजिक समूहों के नायकों को सम्मान देता है, उनकी तरफ वे समूह राजनीतिक रूप से आकर्षित भी होते हैं। वास्तव में राजनीति स्मृतियों एवं सांस्कृतिक प्रतीकों को मात्र खोजती ही नहीं, अपितु उन्हें अपने ढंग से रचती-विरचती भी है। वह स्मृतियों के राजनीतिक एवं सांस्कृतिक संदर्भ निर्मित करती है। इधर कुछ सालों में भाजपा ने राजा सुहेलदेव, सम्राट मिहिर भोज एवं राजा महेंद्र प्रताप सिंह जैसे अनेक राजाओं के नायकत्व के स्मरण की योजना बनाई है। सुहेलदेव बहराइच के राजा थे। उनका राज्य काफी विस्तारित था। उन्होंने सैयद सलार गाजी (जिन्हें गाजी मियां के नाम से भी जाना जाता है) को परास्त किया था। भाजपा ने सुहेलदेव के इर्दगिर्द कई काम किए हैं। अमित शाह ने सुहेलदेव एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर उसकी शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहराइच में सुहेलदेव की भव्य प्रतिमा का बीते दिनों अनावरण किया। चितौरा नामक ग्राम में बने उनके मंदिर का पुनर्निर्माण कराकर वहां पार्क बनाया और पर्यटकों के लिए कई आकर्षक सुविधाएं विकसित की गईं। कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजा महेंद्र प्रताप सिंह की स्मृति में अलीगढ़ में एक विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

कलवा की रेती बंदर खाड़ी में मिली एक अज्ञात युवती की लाश

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 5 अक्टूबर मंगलवार शाम 6:30 बजे कलवा परिसर के रेती बंदर खाड़ी में एक अज्ञात युवती की लाश मिलने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। दरअसल मामला कुछ इस तरह से बताया जा रहा है कुछ युवक घूमने के लिए कलवा के रेती बंदर पर आए थे तभी अचानक उन युवक में से एक युवक की नजर लाश पर पड़ी लाश दलदल में फंसी हुई है युवकों ने इस लाश की सूचना समाज सेवक को दी समाज सेवक ने तुरंत कलवा पुलिस स्टेशन में इस लाश के बारे में सूचना दी सूचना मिलते ही कलवा पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर दमकल विभाग की सहायता से इस लाश को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला क्योंकि बारिश होने से लाश निकालने में काफी दिक्कतें आ रही थी लाश को देखने के बाद पता चला यह लाश युवती की

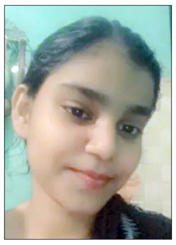

है और अनुमान लगाया जा रहा है कि इस युवती की आयु 15 से 17 वर्ष तक हो सकती है है कलवा पुलिस ने लाश का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए कलवा के छत्रपति शिवाजी अस्पताल पोस्टमार्टम हेतु भेज कर इस युवती के बारे में जानकारी हासिल करना शुरू कर दी छानबीन के बाद यह पता चला यह लाश की शिनाख्त साइमा के रूप में हुई इस मामले में परिवार वालों द्वार मिली जानकारी के अनुसार सायमा वर्ष 17 रहिवासी संजय नगर की बताई जा रही है ने अपने मोबाइल फोन में कोई सीरियल देख रही थी तभी उसी की बहन को मोबाइल लेकर बाजार जाना था इस बात पर दोनों बहनों मैं विवाद हुआ और फिर दूसरी बहन मोबाइल फोन लेकर बाजार चले गई बाजार से आने के बाद घर वालों ने सायमा को घर पर नहीं देखा फिर साइमा की खोजबीन करना शुरू कर दिया परिवार वालों को इस बात की जरा भी जानकारी नहीं थी कि सायमा गुस्सा होकर चूहा पुल पर जाकर छलांग लगाकर अपनी जान दे देगी फिलहाल कलवा पुलिस ने इस मामले में आत्महत्या का मामला दर्ज किया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार कर रही है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर यह स्पष्ट हो जाएगा किस साइमा की मौत का कारण क्या है हत्या है या आत्महत्या है या कोई अ कल्पनिक दुर्घटना है। गौरतलब बात यह है क्या जो बातें साइमा के परिजन द्वारा बताया जा रहा है इस बात में कितनी सच्चाई है यह पुलिस जांच के बाद पता चलेगा आखिर क्यों मोबाइल में सीरियल नहीं देखने को मिलने पर साइमा ने अपनी जान गवाई यह सोचने वाली बात है।

नौकरी के बहाने बुलाकर महिला से गैंगरेप करने का आरोप, महिला सहित तीन के खिलाफ शिकायत दर्ज

नवी मुंबई। पनवेल तालुका पुलिस ने 35 वर्षीय महिला के साथ सामूहिक बलात्कार और झांसा देने के आरोप में एक महिला सहित तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराओं के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता पंढरपुर की रहने वाली है। वह लॉकडाउन में नौकरी खोने के बाद नए काम की तलाश में थी, तभी उसे व्हाट्सएप पर एक सरकारी अस्पताल में क्लीनर की जगह खाली होने जानकारी मिली। इस

मैसेज में नंबर भी दिया था। फोन करने उससे 17,000 रुपये प्रतिमाह के वेतन पर नौकरी देने का वादा किया गया और पनवेल में उससे मिलने का पता दिया गया। इसके बाद महिला 18 सितंबर को पनवेल के तय पते पर पहुंच गई। यहां एक होटल में महिला को रोका गया। इसी दौरान महिला को बेबी नाम की महिला ने जूस दिया। जिसके पीने से महिला बेहोश हो गई। जब होश आया, तो उसे अहसास हुआ कि उसके साथ बलात्कार हुआ है।

मुंब्रा के पत्रकार द्वारा छेड़ी गई मुहिम विरोधी पक्ष नेता अशरफ पठान के खिलाफ, मनपा प्रशासन द्वारा एक पत्रकार का घर ध्वस्त करा कर लिया गया उसका बदला

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 4 अक्टूबर सोमवार सुकून समिति द्वारा किया गया धरना आंदोलन विरोधी पक्ष नेता अशरफ शानू पठान के विरोध में जिसमें शहर के तमाम पत्रकार उपस्थित रहकर यह धरना प्रदर्शन को कामयाब बनाया जिसके चलते विरोधी पक्ष नेता शानू पठान ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए खबरें बेलगाम के संपादक अनवर शेख का घर बुरी तरह से ध्वस्त करवा दिया जबकि कानून के अनुसार अगर कोई अवैध तरीके से घर बनाया गया है तो भी पहले मानपा प्रशासन के अधिकारी द्वारा घरवालो को नोटिस दिया जाता है और तमाम कागजात

घर के देखे जाते हैं अगर कागजात सही नहीं हो तब जाकर मनपा प्रशासन तोड़ो कार्रवाई कर सकती है लेकिन यहां पर मामला पूरी तरह से विपरीत नजर आया बिना नोटिस के पत्रकार अनवर शेख का घर ध्वस्त कर दिया गया मनपा प्रशासन के अधिकारी कार्यकारी अभियंता धनंजय गोसावी सहायक आयुक्त सागर सालोंके इनके नेतृत्व में यह तोड़क कार्रवाई को अंजाम दिया गया इन अधिकारी द्वारा इतना भी वक्त नहीं दिया गया कि घर का सामान बाहर निकाल ले मनपा कर्मचारी ने सीधा घर को ध्वस्त करना शुरू कर दिया घर में रखे कुरान शरीफ जानमाज आयतल कुर्सी की तस्वीर को भी निकालने का वक्त नहीं दिया अनवर शेख द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार यह जमीन मैंने खुद खरीदी थी और यह जमीन का सातबारा पूर्व नगरसेवक महिंद्र कुंभलेकर के पिताजी के नाम पर है बाकायदा इसकी रजिस्ट्री भी की गई थी यह घर मैंने मेरी बूढ़ी मां के लिए बनाया था लेकिन विरोधी पक्ष नेता अशरफ शानू पठान ने बदले की भावना रखते हुए अपने पद का दुरुपयोग करते हुए यह तोड़ू कार्रवाई मनपा द्वारा कराई गई पत्रकार अनवर शेख ने विरोधी पक्ष नेता पर निशाना साधते हुए कहा उनके प्रभाग में अवैध बांधकाम धड़ल्ले से चल रहा है उस पर मनपा द्वारा तोड़क कार्रवाई क्यों नहीं की जाती उन्होंने शानू पठान पर आरोप लगाते हुए कहा जो बंगला उन्होंने बनाया है वह भी अवैध है उस पर भी मनपा प्रशासन द्वारा कार्यवाही की जाए गौरतलब बात यह है यह तोडक कार्रवाई जो कि मनपा प्रशासन द्वारा की गई और वह भी धरने प्रदर्शन के 2 दिन बाद इससे यह कयास लगाया जा रहा है शानू पठान पत्रकारों के विरोध के चलते बदले की भावना रखकर काम कर रहे हैं पत्रकार द्वारा उजागर किया जा रहा है उनका भ्रष्टाचार इस पर बौखलाहै हुए नजर आ रहे हैं और उसका उदाहरण यह कार्रवाई के जरिए सामने आ रहा है इस बात को लेकर स्थानीय लोगों में और पत्रकारों में आक्रोश पैदा हो गया है पत्रकारों ने तो साफ-साफ कह दिया इस बार एनसीपी का मुंब्रा से डब्बा गोल होता हुआ नजर आ रहा है क्योंकि अब पत्रकार ही विपक्ष की भूमिका निभाने पर मजबूर हो गया है अब शहर में जो जो भ्रष्टाचार एनसीपी द्वारा किया गया है उसका पर्दाफाश होगा मनपा प्रशासन द्वारा प्रदान की गई निधि का हिसाब होगा अस्पताल कब्रिस्तान गर्ल्स हॉस्टल स्लॉटर हाउस हज हाउस सड़क पानी खास तौर पर टोरेंट कंपनी का मुद्दा कब्रिस्तान में की गई फेर बद्दल का मुद्दा हॉकर्स जोन पार्किंग लाइबरैली ऐसी कई एक मुद्दे हैं जिनका पत्रकार द्वारा बहुत जल्दी पदार्फाश किया जाएगा एनसीपी नेताओं ने तो अपना विकास कर लिया विकास तो कहीं मुंब्रा शहर में नजर नहीं आया मनपा प्रशासन द्वारा दी गई निधि विकास कार्य के लिए उसका हिसाब करेंगे पत्रकार। और एक बात पत्रकार द्वारा कहा जा रही है शानू पठान पैसे के बल में सत्ता के बल पर अपने पद का दुरुपयोग कर सकते हैं पत्रकारों पर झूठे एफआईआर तड़ीपार जैसे मामले भी दर्ज करवा सकते हैं लेकिन पत्रकार उससे लड़ने के लिए भी तैयार है अब देखना यह होगा कि यह सब देखकर मुंब्रा की जनता का झुकाव किस तरफ होता है यह आने वाला समय ही बताएगा।

(पृष्ठ 1 का शेष)

क्रूज रेव पार्टी में महाराष्ट्र के मंत्री का आरोप

उन्होंने गोसावी और भानुशाली को अपना गवाह बताया। एनसीबी ने कहा कि कानून के मुताबिक सिर्फ गोसावी और भानुशाली ही नहीं, बल्कि 10 बाहरी लोगों की क्रूज पर रेड के दौरान मदद ली गई थी। ये सभी जांच एजेंसी के गवाह हैं। एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने कहा कि जांच एजेंसी की कार्रवाई और 2 लोगों (केपी गोसावी और मनीष भानुशाली) को लेकर जो राजनीतिक आरोप लग रहे हैं उस पर नार्कोटिक्स डीडीजी ने सफाई दी है। वो लोग विटनेस हैं। वे किस प्रोसीजर के तहत साथ थें, सब बताया है। मेरा ज्यादा बोलना ठीक नही होगा। क्रूज ड्रग पार्टी मामले में कुल 16 आरोपी गिरफ्तार हैं। एक और गिरफ्तारी हुई है जिसे गुरुवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। बाकी जिन आरोपियों को कोर्ट में पेश करेंगे उनकी भी कस्टडी मांगी जाएगी या नहीं इसके बारे में भी मैं अभी कुछ बता नही पाऊंगा। हमारी जांच जारी है। जो विदेशी नागरिक हिरासत में लिया गया है उसके बारे में भी गुरुवार को ही बताएंगे। नवाब मलिक ने रेड के दौरान मौजूद दूसरे व्यक्ति मनीष भानुशाली पर सवाल उठाते हुए कहा- आर्यन के दोस्त अरबाज को घसीटकर एनसीबी ऑफिस ले जाने वाला शख्स मनीष भानुशाली है, वह भाजपा पदाधिकारी है। मलिक ने दावा किया, मनीष भानुशाली 21 सितंबर को दिल्ली में एक केंद्रीय मंत्री के साथ था। 22 सितंबर को वह गांधीनगर में भाजपा के एक मंत्री के साथ था। उन्होंने भानुशाली के सोशल मीडिया प्रोफाइल का हवाला देते हुए कहा कि वह खुद को भाजपा का उपाध्यक्ष बताता है। मनीष भानुशाली मुंबई के डोंबिवली में रहते हैं। वह एक व्यापारी और भाजपा कार्यकर्ता हैं। 2012 तक मनीष भाजपा के कल्याण जिला उपाध्यक्ष थे। हालांकि उन्होंने तब से कोई पद नहीं संभाला है, लेकिन बताया जाता है कि अब भी वे एक सक्रिय भाजपा कार्यकर्ता हैं। फेसबुक पर बड़े भाजपा के नेताओं के साथ उनके फोटो मौजूद हैं। मनीष ज्यादातर समय दिल्ली में बिताते हैं। नवाब मलिक ने कहा कि मनीष भानुशाली की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस के साथ तस्वीरें मौजूद हैं। उन्होंने पूछा कि आखिर ऐसा कैसा हो सकता है कि भाजपा का एक नेता आर्यन खान को घसीटकर अपने साथ ले जा रहा है। इस बात का जवाब एनसीबी को देना चाहिए। नवाब मलिक ने गोसावी और भानुशाली के जरिए भाजपा पर एनसीबी के माध्यम से बॉलीवुड और फिल्म इंडस्ट्री को बदनाम करने का आरोप लगाया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि क्रूज पर एनसीबी ने कोई ड्रग्स बरामद नहीं किया। मीडिया में जो वीडियो व फोटो जारी किए गए, वे सब एनसीबी ऑफिस के हैं।

महाराष्ट्र पहुंची लखीमपुर हिंसा की आंच

इससे पहले, महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने लखीमपुर खीरी में किसानों की मौत को लेकर दुख प्रकट करते हुए बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया। मंत्रियों ने किसानों के सम्मान में कुछ देर मौन खड़े होकर उन्हें श्रद्धांजलि दी और मौतों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। जल संसाधन मंत्री जयंत पाटिल ने मारे गए किसानों को श्रद्धांजलि देने का प्रस्ताव पेश किया, जिसे राजस्व मंत्री और कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट और उद्योग मंत्री एवं शिवसेना के नेता सुभाष देसाई ने समर्थन दिया। मंत्रिपरिषद में शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के सदस्य शामिल हैं। दूसरी ओर, एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने लखीमपुर खीरी मामले की तुलना जलियांवाला बाग हत्याकांड से की है। पवार ने कहा कि देश के किसान कुछ मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहे है, जिसे एक साल पूरा हो चुका है। दिल्ली की सीमा पर किसानों का एक समूह आंदोलन कर रहा है। जनवरी महीने में किसानों ने दिल्ली आने का प्रयत्न की तब भी उनकी आवाज को दबाया गया। पवार ने लखीमपुर खीरी की घटना के लिए बीजेपी को जिम्मेदार माना है। उन्होंने कहा कि किसानों पर बीजेपी के लोगों द्वारा गाड़ी चढ़ाने और आंदोलन को दबाने का काम पूरे देश ने देखा है। इस पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के जज से करवाई जानी चाहिए। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे को लेकर किसानों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान रविवार को लखीमपुर खीरी जिले के तिकोनिया इलाके में भड़की हिंसा में आठ लोगों की मौत हो गई थी। इनमें से चार किसान थे। चार अन्य लोगों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो कार्यकर्ता, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा का ड्राइवर और एक पत्रकार रमन कश्यप शामिल हैं।

लॉकर संबंधी नियमों में बदलाव, बैंक को दिए लॉकर तोड़ने के अधिकार

संवाददाता / नई दिल्ली

अगर आप भी अपने कीमती जेवर बैंक लॉकर में रखते हैं, ताकि ये सुरक्षित रहें तो आपके लिए बेहद जरूरी खबर है। घर में कीमती चीजों के चोरी या खोने की संभावना अधिक रहती है इसलिए लोग बैंक लॉकर में समान रखते हैं। लेकिन अब आपकी ये सुविधा आपको दिक्कत दे सकती है।

आरबीआई के नए नियम के अनुसार, एक लंबी अवधि तक आपने लॉकर को नहीं खोला तो बैंक आपका लॉकर तोड़ सकते हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का सेफ डिपॉजिट लॉकर के संबंध में संशोधित दिशानिर्देश जारी किया है। इस नए दिशानिर्देश में बैंकों को लॉकर खोलने की अनुमति दी गई है, अगर लॉकर लंबे समय तक नहीं खोला गया है। भले ही किराए का नियमित रूप से भुगतान किया जा रहा हो।

आरबीआई ने दिए बैंक को नए दिशानिर्देश, लॉकर लेने वाले को अलर्ट करेगा बैंक

बैंक तोड़ सकता है लॉकर

आरबीआई के संशोधित दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि बैंक लॉकर को तोड़ने और लॉकर की सामग्री को अपने नॉमिनी/कानूनी उत्तराधिकारी को हस्तांतरित करने या पारदर्शी तरीके से वस्तुओं का निपटान करने के लिए स्वतंत्र होगा। अगर यह 7 साल की अवधि के लिए निष्क्रिय रहता है और नियमित रूप से किराए का भुगतान करने पर भी लॉकर-किराएदार का पता नहीं लगाया जा सकता है। लेकिन साथ ही जनहित की रक्षा करते हुए केंद्रीय बैंक ने विस्तृत निर्देश भी जारी किए कि किसी भी लॉकर को तोड़ने से पहले पालन किया जाना चाहिए।

लॉकर लेने वाले को अलर्ट करेगा बैंक

आरबीआई के दिशानिर्देशों में कहा गया है कि बैंक लॉकर-किराए पर लेने वाले को एक पत्र के माध्यम से नोटिस देगा और पंजीकृत ईमेल आईडी और मोबाइल फोन नंबर पर ईमेल और एसएमएस अलर्ट भेजेगा। अगर पत्र बिना डिलीवरी के रिटर्न हो जाता है या लॉकर हायरर पर लेने वाले का पता नहीं चलता है, तो बैंक लॉकर हायरर या किसी अन्य व्यक्ति को जो लॉकर की सामग्री में रुचि रखता है, को जवाब देने के लिए उचित समय देते हुए दो समाचार पत्रों (एक अंग्रेजी में और दूसरा स्थानीय भाषा में) में सार्वजनिक नोटिस जारी करेगा।

लॉकर खोलने के दिशानिर्देश

केंद्रीय बैंक के दिशानिर्देशों में आगे कहा गया है कि बैंक के एक अधिकारी और दो स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में लॉकर को खोला जाना चाहिए और पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जानी चाहिए। आरबीआई ने आगे कहा कि लॉकर को खोलने के बाद, सामग्री को एक सीलबंद लिफाफे में रखा जाएगा, जिसमें विस्तृत इन्वेंट्री के साथ एक फायरप्रूफ तिजोरी के अंदर एक टैम्पर प्रूफ तरीके से ग्राहक द्वारा दावा किए जाने तक रखा जाएगा।

आरबीआई ने किया संशोधन

बैंकिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विभिन्न विकास, उपभोक्ता शिकायतों की प्रकृति और बैंकों और भारतीय बैंक संघ से प्राप्त प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए, आरबीआई ने हाल ही में सुरक्षित जमा लॉकरों के संबंध में अपने दिशानिर्देशों में संशोधन किया और निष्क्रिय बैंक लॉकरों के संबंध में बैंकों को नए निर्देश भी दिए।

क्या परमबीर सिंह ने फर्जी पासपोर्ट पर देश छोड़ा?

मुंबई। पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह पिछले कई महीने से जांच एजेंसियों को नहीं मिल रहे हैं। न्यूज एजेंसी एनएनआई ने जांच एजेंसियों से जुड़े अधिकारियों के हवाले से लिखा है कि मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह ने या तो महाराष्ट्र पुलिस की तरफ से अपने खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी होने से पहले ही देश छोड़ दिया था या फिर वह फर्जी पासपोर्ट के सहारे देश से भागे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, परमबीर सिंह के छुट्टी पर जाने के दो महीने बाद महाराष्ट्र पुलिस ने सिंह के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था।

अंधेरी स्थित महाकाली में पानी की पाइप के दुरुस्तीकरण का काम शुरू

मुंबई। स्थित जोगेश्वरी पूर्व में पानी की आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन जो 40 वर्ष पुरानी थी उसके मरम्मत कार्य के लिए बुधवार को जोगेश्वरी पूर्व, जोगेश्वरी पश्चिम, अंधेरी पूर्व और अंधेरी पश्चिम के कई इलाकों में बुधवार को पानी बंद कर दिया गया था। वही दूसरी ओर इस पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य शुरू किया गया 3 दिन में इस पाइप को बदलने का कार्य किया गया। मेंटेनेंस के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर सुशील चौहान, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर मंगेश शेवालय, असिस्टेंट इंजीनियर इआरसी जीवन पाटिल ने इस कार्य के लिए 2 टीम गठित की जो नंदभवन के पास और वैभव इंडस्ट्रीज के पास पाइप की मरम्मत का काम करने वाली थी। सब इंजीनियर अमित हटवार, जूनियर इंजीनियर वैभव गावडे, जूनियर इंजीनियर अश्विनी मोहिते और उनकी टीम नंदभवन में पाइप की मरम्मत का काम कर रही थी तो वही असिस्टेंट इंजीनियर मेंटेनेंस रमेश कुराडे, सब इंजीनियर डिकोना डोनाल्ड, जूनियर इंजीनियर मंदार जाधव, जूनियर इंजीनियर महेश कावड़े और जूनियर इंजीनियर अशोक अंबुले, सब इंजीनियर अनिल अनाप, सब इंजीनियर निखिल गुंडव, जूनियर इंजीनियर चंद्रकांत अनंतवाल और उनकी टीम वैभव इंडस्ट्रीज के पास मरम्मत के काम में जुटे हुए थे। पाइप में कई जगह लीकेज था जिसकी वजह से उस पाइप को दुरुस्त करने में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

रूसी दल सफर पर हुआ रवाना

अंतरिक्ष में पहली फिल्म चैलेंज का एक हिस्सा फिल्माया जाएगा

संवाददाता / मास्को

अंतरिक्ष में दुनिया की पहली फिल्म की शूटिंग करने के लिए रूसी अभिनेत्री और निर्देशक मंगलवार को अंतरिक्ष के सफर पर रवाना हो गए। अभिनेत्री यूलिया पेरेसील्द और निर्देशक क्लिम शिपेन्को मंगलवार को रूसी सोयुज अंतरिक्ष यान से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन रवाना हुए। उनके साथ अनुभवी यात्री एंतन शकाप्लेरोव भी गए हैं। उनका यान सोयुज एमएस-19 तय कार्यक्रम के अनुसार कजाखस्तान के बैकोनूर स्थित रूसी अंतरिक्ष यान प्रक्षेपण केन्द्र से दोपहर एक बज कर 55 मिनट पर रवाना हुआ। अंतरिक्ष अधिकारियों ने बताया कि यान पर सवार सभी सदस्य ठीक महसूस कर रहे थे और यान की सभी प्रणालियां सामान्य रूप से काम कर रही थीं। अभिनेत्री यूलिया और निर्देशक शिपेन्को एक नयी फिल्म 'चैलेंज' का एक हिस्सा वहां फिल्माएंगे। फिल्म में, डॉक्टर की भूमिका निभा रही यूलिया दिल की बीमारी से जूझ रहे क्रू के एक सदस्य अर्थात अंतरिक्ष यात्री को बचाने के लिए अंतरिक्ष स्टेशन जाती हैं।

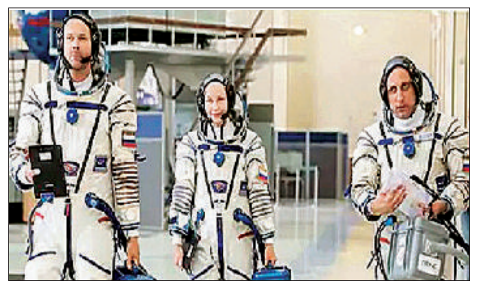

'चैलेंज' की टीम स्पेस में 12 दिन बिताएगी

'चैलेंज' की शूटिंग के लिए फिल्म की टीम को ट्रेनिंग दी गई है। 'चैलेंज' के अलग-अलग सीन्स को फिल्माने के लिए फिल्म की टीम स्पेस में 12 दिन बिताएगी। फिल्म की टीम इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर 35-40 मिनट के लंबे सीक्वेंस को फिल्माएगी। यह फिल्म एक ऐसी महिला डॉक्टर की कहानी है, जो एक अंतरिक्ष यात्री को बचाने के लिए इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन की उड़ान भरती है। शूटिंग के बाद यूलिया पेरसिल्ड और क्लिम शिपेंको एक और रूसी अंतरिक्ष यात्री के साथ पृथ्वी पर वापस लौट आएंगे।

स्कूल पांच दिन के लिए बंद

गर्ल्स स्कूल में 35 छात्राएं मिली कोरोना पॉजिटिव

संवाददाता / मंडी

जम्मू और कश्मीर के मंडी स्थित गर्ल्ड हाई स्कूल में 35 छात्र कोरोना संक्रमित पाए गए हैं।

कोरोना के इतने सारे मामले आने के बाद स्कूल को पांच दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। मंडी के तहसीलदार शाजाद लतीफ खान ने बताया कि 35 छात्रों के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद 5 दिनों के लिए स्कूल को बंद कर दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी कोरोना संबंधी नियमों का पालन करते रहें। बता दें कि चार अक्टूबर को भी केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में कोरोना के 100 मामले आए हैं। वहीं, राज्य में फिलहाल कोरोना के 1 हजार 157 एक्टिव केस हैं।

निगम अधिकारी पर सहकर्मियों ने ही करवाया था हमला, पांच गिरफ्तार: पुलिस

मुंबई। मीरा-भायंदर नगर निगम के कार्यकारी अभियंता पर गोलीबारी के आरोप में दो निगम अधिकारियों समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। मुंबई के उपनगरीय इलाके बोरिवली में स्थित ओंकारेश्वर मंदिर के पास 29 सितंबर को निगम के कार्यकारी अभियंता दीपक खंबित की कार पर मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने गोलियां चलाई थीं। हालांकि, इस हमले में खंबित को चोट नहीं आई थी। इस मामले में कस्तूरबा मार्ग थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस अमित सिन्हा तक पहुंची जो कभी डॉन छोटा राजन का सहयोगी हुआ करता था। सिन्हा को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के भदोही से गिरफ्तार किया। अधिकारी ने कहा कि सिन्हा ने पुलिस को बताया कि मीरा-भायंदर नगर निगम में तैनात कनिष्ठ अभियंता श्रीकृष्ण सदाशिव मोहिते और यशवंतराव देशमुख ने खंबित को मारने के लिए उसे 20 लाख रुपये की सुपारी दी थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपी अधिकारियों का खंबित के साथ कुछ विवाद चल रहा था।

पाबंदियों में ढील के बाद मांग बढ़ने से बढ़ी गतिविधियां

देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां सितंबर में बढ़ीं, दस माह में पहली बार रोजगार बढ़ा

संवाददाता / नई दिल्ली

देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी सितंबर महीने में भी बनी रही। कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिए लगाई गई पाबंदियों में ढील के साथ मांग बढ़ने से गतिविधिययों में तेजी रही। हालांकि, गतिविधियों में तेजी अगस्त के 18 महीने के उच्चस्तर से कम रहीं। मंगलवार को जारी एक मासिक सर्वे में यह कहा गया। मौसमी रूप से समायोजित भारत सेवा व्यापार गतिविधियां सूचकांक सितंबर में मासिक आधार पर कम होकर 55.2 रहा, जो अगस्त में 56.7 था। हालांकि, इस कमी के बावजूद यह दीर्घकालीन औसत के ऊपर बना हुआ है।

- तेजी अगस्त के 18 महीने के उच्चस्तर से कम रहीं

रोजगार में आ रही कमी का सिलसिला थमा

सर्वे के अनुसार, 'अगस्त के मुकाबले कमी के बावजूद गतिविधियां तेज रहीं और यह फरवरी, 2020 के बाद से दूसरी सबसे तेज वृद्धि है।' मांग में तेजी के संकेत को देखते हुए घरेलू सेवा प्रदाताओं ने सितंबर महीने में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई। इस वृद्धि के साथ रोजगार में पिछले नौ महीने से आ रही कमी का सिलसिला थम गया।

- गतिविधियां सूचकांक कम होकर 55.2 प्रतिशत रहा
- यह फरवरी, 2020 के बाद से दूसरी सबसे तेज वृद्धि है
- घरेलू सेवा प्रदाताओं ने सितंबर महीने में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई

ईंधन, खुदरा और परिवहन लागत बढ़ी

समग्र पीएमआई उत्पादन सूचकांक सितंबर में 55.3 रहा। यह अगस्त के 55.4 से थोड़ा कम है। समग्र पीएमआई सेवा और विनिर्माण उत्पादनों को संयुक्त रूप से मापता है। ईंधन, सामग्री, खुदरा और परिवहन लागत बढ़ने की रिपोर्ट के बीच कीमत के मोर्चे पर भारतीय सेवाप्रदाताओं पर औसत लागत का बोझ सितंबर में बढ़ा है।

मुद्रास्फीति की दर में कुछ नरमी आई

कुल मिलाकर मुद्रास्फीति की दर ऊंची है लेकिन इसमें कुछ नरमी आयी है और यह आठ महीने के निम्न स्तर पर है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक इस सप्ताह मौद्रिक नीति समीक्षा में उदार नीतिगत रुख बनाये रख सकता है। सब्जी जैसे खाने के सामान के दाम कम होने से खुदरा मुद्रास्फीति अगस्त महीने में लगातार तीसरे महीने कम होकर 5.3 प्रतिशत रही जो आरबीआई के संतोषजनक स्तर के दायरे में है।

सेवाओं की वैश्विक मांग पर प्रतिकूल असर

सर्वे के अनुसार इसके अलावा यात्रा पाबंदियों से भी भारतीय सेवाओं की वैश्विक मांग पर प्रतिकूल असर बना हुआ है। लगातार 19वें महीने नये निर्यात कारोबार में गिरावट देखी गई। देश में निजी क्षेत्र की व्यापार गतिविधियां सितंबर में बढ़ीं। क्योंकि विनिर्माण और सेवा दोनों का उत्पादन लगातार बढ़ा है।

सेवा क्षेत्र की गतिविधियां तेज

हालांकि, रोजगार में वृद्धि ज्यादा नहीं रही। कुछ इकाइयों ने संकेत दिया कि उनके पास काम को पूरा करने के लिए पर्याप्त कार्यबल हैं। यह लगातार दूसरा महीना है जब सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी रही। 'परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स' (पीएमआई) के तहत 50 से ऊपर गतिविधियों में तेजी को सूचित करता है जबकि 50 से नीचे गिरावट को बताता है।

मांग में सुधार का लाभ मिला

आईएचएस मार्किट की इकनॉमिक्स एसोसिएट निदेशक पॉलिएना डि लीमा ने कहा, 'भारतीय कंपनियों को मांग में सुधार का लाभ मिल रहा है क्योंकि महामारी में आई कमी के साथ प्रतिबंध हटा लिए गए। बेहतर बाजार परिवेश का मतलब है कि कंपनियां सितंबर के दौरान नए काम को हासिल करने और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ाने में कामयाब रहीं।'

व्यापार को लेकर भरोसा कमजोर हुआ

क्षेत्र में लगातार सुधार के बावजूद व्यापार को लेकर भरोसा सितंबर महीने में कमजोर हुआ। उन्होंने कहा, 'आने वाले समय में बेहतर मांग के पूर्वानुमानों ने उत्पादन के संबंध में कारोबार को लेकर विश्वास को समर्थन दिया। हालांकि, मुद्रास्फीति को लेकर बढ़ती चिंता से वृद्धि प्रभावित होती दिख रही है। सितंबर में कच्चे माल की लागत से जुड़ी मुद्रास्फीति में कमी के बावजूद, सेवाप्रदाताओं की धारणा में गिरावट देखी गई।'

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में एक स्थान फिसलकर पांचवें नंबर पर

मार्क जुकरबर्ग ने एक दिन में गंवाए 45,555 करोड़ रुपए

संवाददाता / नई दिल्ली

फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप की सेवाएं बाधित होने से सोमवार को दुनियाभर में हाहाकार मच गया। इससे फेसबुक के शेयरों में भारी गिरावट आई और कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग की नेटवर्थ कुछ ही घंटों में 6.11 अरब डॉलर यानी 45,555 करोड़ रुपए की गिरावट आई। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में एक स्थान फिसलकर पांचवें नंबर पर आ गए हैं। हालांकि, जुकरबर्ग ने सेवाएं बाधित होने से करोड़ों यूजर्स को हुई परेशानी के लिए माफी मांगी।

फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सएप की सेवाएं सोमवार को हो गईं थी बाधित

अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर थे

इन दिक्कतों की वजह से फेसबुक के शेयरों में 4.9 फीसद की गिरावट आई। इस तरह कंपनी का शेयर सितंबर मध्य के बाद से करीब 15 फीसदी गिर चुका है। फेसबुक के शेयरों में गिरावट से जुकरबर्ग की नेटवर्थ 6.11 अरब डॉलर गिरकर 122 अरब डॉलर रह गई है। कुछ दिन पहले वह 140 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर थे, लेकिन अब वह फिर से बिल गेट्स से पिछड़ गए हैं। गेट्स 124 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस सूची में चौथे नंबर पर हैं।

यूजर्स को हुई परेशानी के लिए माफी मांगी

सर्विस बहाल होने के बाद फेसबुक ने ट्विटर पर कहा, 'दुनियाभर के लोग और बिजनस जो हम पर निर्भर हैं, उनके लिए हमें दुख है। हम अपने ऐप्स और सेवाओं को पूरी तरह से बहाल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। यह बताते हुए हमें खुशी हो रही है कि वे दोबारा ऑनलाइन वापस आ रहे हैं। हमारे साथ बने रहने के लिए धन्यवाद।' इस बीच जुकरबर्ग ने फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप की सेवाएं बाधित होने से यूजर्स को हुई परेशानी के लिए माफी मांगी है। उन्होंने एक पोस्ट में कहा, 'फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप और मैसेंजर की सेवाएं बहाल हो गई हैं। आज इनकी सेवाओं में जो बाधा आई, उसके लिए मैं माफी मांगता हूं। मैं जानता हूं कि आप अपने लोगों से जुड़े रहने के लिए हमारी सर्विसेज पर कितना निर्भर हैं।'

बुलढाणा हलचल

महापुरे हत्याकांड में दोनों को उम्रकैद की सजा

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। चिखली तहसील के अमडापुर के बबलू महापुरे की 31 मार्च 2016 को कॉटन मार्केट के इलाके में गला रेत कर बबलू महापुरे की हत्या के मामले में आज 5 साल बाद घटना के दोनों आरोपी राहुल देवीदास महापुरे और विठ्ठल रामकृष्ण धनवटे ईन को वर्तमान मुख्य जिला न्यायाधीश एस.सी.खटी ने उम्र कैद कि सजा और प्रत्येक को 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। इस बारे में विस्तृत खबर यह थी कि चिखली तालुका के अमदापुर से राहुल महापुरे और विठ्ठल धनवटे रहीवासी ईसोली उन्होंने 31 मार्च 2016 को सुबह डेढ़ बजे के बीच अमदापुर के कपास बाजार ईवाके में एक नींबू के पेड़ की शाख पर रस्सी से फंदा बनाकर मृतक बबलू उर्फ विनोद महापुरे को टवेरा चार पहिया वाहन की उपर पर उठाकर गला मे रस्सी का फंदा डाल कर ईस के बद राहुल महापुरे ने कार स्टार्ट की और धीरे धीरे कार आगे चलाई, जिस से बबलू का गला घोंट दिया गया और उसकी मौत हो गई। राहुल महापुरे

और विठ्ठल धनवटे ने ही खुन किया लेकिन बबलू को फांसी पर लटका दिखाया गया था। इस 14/2016 से धारा 174 जाफौ अनुसार केस दर्ज कराया गया था। इस बीच अपराध को अंजाम देने के तीन महीने बाद अमदापुर थाने के हेड कांस्टेबल रामेश्वर जयभाय ने अपराध की पृष्ठभूमि की जांच कर आरोपी राहुल महापुरे और विठ्ठल धनवटे के खिलाफ नौ जून 2016 को अमडापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। प्लॉट की बिक्री को लेकर आरोपित व मृतक बबलू महापुरे के बीच विवाद होने पर आरोपी राहुल महापुरे ने विठ्ठल धनवटे की मदद से मृतक बबलू उर्फ विनोद महापुरे को फांसी पर लटका कर तीन माह तक मामले को छिपाए रखा था। राहुल महापुरे पर पहले अमदापुर में हत्या और अन्य आपराधिक अपराधों के लिए मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने जांच के दौरान आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और महत्वपूर्ण सबूत और जवाब प्राप्त करने के बाद, दंड संहिता की धारा 302.34 के तहत आरोप पत्र दायर किया और मामला मौजूदा सत्र न्यायालय, बुलडाणा में शुरू किया गया। इस बीच सेशन केस नंबर 83/16 एसपी हिवाले को सत्र संचालन के लिए सहायक लोक अभियोजक बुलदाना को सौंपा गया। इस मामले में सरकारी पक्ष द्वारा 23 गवाहों की गवाही दर्ज करने के बाद उसने अदालत में उचित और पुख्ता सबूत पेश किए और उचित सबूतों के आधार पर प्रभावी और सावधानीपूर्वक तर्क के बाद, वर्तमान जिला न्यायाधीश एससी खटी ने दोनों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और प्रत्येक आरोपी पर दस हजार रुपये का जुर्माना।

यूपी हलचल

लखीमपुर खीरी मामले में अब भाजपा नेता ने पन्द्रह अज्ञात लोगों पर दर्ज कराया मुकदमा

संवाददाता/अरमान उलहक

लखीमपुर। लखीमपुर खीरी में रविवार को हुई हिंसा के बाद केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी के समर्थक और भाजपा नेता सुमित जायसवाल ने पंद्रह अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या, आपराधिक साजिश और बलवा सहित कई धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई है। इससे पहले पूरे मामले में पुलिस ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा समेत चौदह लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया था। हालांकि अभी तक इस मामले में किसी की भी गिरफ़्तारी नहीं हुई है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी है। जानकारी के मुताबिक एसटीएफ जल्द ही जांच

अपने हाथ में ले लेगी। उधर पुलिस ने हिंसा के बाद वायरल वीडियो से चोबीस लोगों की शिनाख्त की है। साथ ही पुलिस सात लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। उधर, योगी सरकार ने हिंसक झड़प में मारे गए 4 किसानोंके परिजनों को पैतालीस पैतालीस लाख रुपए आर्थिक मदद दी जाएगी। साथ ही मृतक परिवारों के एक सदस्य नौकरी और मामले की आठ दिन के भीतर जांच कर आरोपियों की गिरफ़्तारी की जाएगी। इसके अलावा घायलों को लाख रुपये की मदद दी जाएगी। किसानों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। पूरे मामले की हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज से न्यायिक जांच भी की जाएगी। कल सुबह से दो राउंड की बैठक के बाद प्रशासन और किसानों के बीच सहमति बन गई है। जिसके बाद किसानों ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की बात कही। प्रशांत कुमार ने कहा कि जिले में धारा 144 की वजह से किसी भी नेता को एंट्री नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि किसान यूनियन के सदस्यों और किसान नेताओं के आने जाने पर कोई रोक नहीं है। मौके पर भारी पुलिसबल और पीएसी की कंपनियां तैनात हैं।

साँसद वरुण गांधी ने की सीबीआई जांच की माँग, अपने ट्विटर अकाउंट के बायो से 'भाजपा' शब्द हटाया

संवाददाता/अरमान उलहक

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश की पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने अपने ट्विटर अकाउंट के बायो से 'भाजपा' शब्द हटा लयिा है। वरुण गांधी ने आज सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लखिकर लखीमपुर खीरी हसिंा मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की उठायी और पीड़ितों के परविारों को एक एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की भी मांग पत्र में की थी। इससे पहले योगी सरकार द्वारा गन्ने का रेट 350/क्विंटल घोषित करने पर बीजेपी सांसद ने प्रदेश सरकार का आभार प्रकट करते हुए कहा था कि कृपया इस पर पुनर्विचार कर बढ़ती लागत व महंगाई के अनुरूप 400 रुपये का रेट घोषित करें। बीजेपी सांसद वरुण गाधी ने सीएम योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में कहा है कि लखीमपुर खीरी में विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों को निर्दयतापूर्वक कुचलने की जो हृदय विदारक घटना हुई है, उससे सारे देश के नागरिकों में एक पीड़ा और रोष है। इस घटना से एक दिन पहले ही देश ने अंहिसा के पुजारी महात्मा गांधी जी की जयंती मनाई थी। अगले ही दिन लखीमपुर खीरी में हमारे अन्नदाताओं की जिस घटनाक्रम में हत्या की गई वह किसी भी सभ्य समाज में अक्षम्य हैं। आन्दोलनकारी किसान भाई हमारे अपने नागरिक हैं। यदि कुछ मुद्दों को लेकर किसान भाई पीड़ित हैं और अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के तहत विरोध प्रर्दशन कर रहें हैं तो हमें उनके साथ बड़े ही संयम एवं धैर्य के साथ बर्ताव करना चाहिए।

हरियाणा के सीएम खट्टर के बिगड़े बोल, कहा हर इलाके से एक हजार लट्ठ वाले करेंगे किसानों का इलाज

संवाददाता/अरमान उलहक

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर एक बार फिर किसानों पर दिए गए बयान को लेकर चर्चा में हैं। चंडीगढ़ में किसान मोर्चा के एक कार्यक्रम में सीएम खट्टर ने विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि हर इलाके से एक हजार लट्ठ वाले किसानों का इलाज करेंगे। पहले भी कई बार मनोहर लाल खट्टर विवादित व्यान देकर भाजपा हाईकमान की मुश्किल बड़ा चुके हैं। सीएम खट्टर ने कहा कि उठालो लठ! उग्र किसानों को तुम भी जवाब दो! देख लेंगे। 2-4 महीने जेल में रह आओगे तो बड़े नेता बन जाओगे! इसके अलावा सीएम खट्टर ने कहा कि जमानत की परवाह मत करो। खट्टर के बयान पर संयुक्त किसान मोर्चा ने पलटवार किया है। एसकेएम की तरफ से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बेशर्मी से कार्यकर्ताओं को लाठियों को उठाने और किसानों पर हमला करने के लिए प्रोत्साहित किया है। एसकेएम भाजपा सीएम के हिंसक इरादे की कड़ी निंदा करता है और मांग करता है कि वह तुरंत माफी मांगे, और अपने संवैधानिक पद से इस्तीफा दें हरियाणा के मुख्यमंत्री द्वारा दिये गए विवादित व्यान से सम्पूर्ण भारत के अन्नदाताओं में भारी आक्रोश व्याप्त है खट्टर के बिगड़े बोल से भाजपा को लोकसभा चुनाव दो हजार चौवीस में बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा।

किवानी क्लब ने सौ बच्चों को पुष्टाहार वितरण किया

संवाददाता/अरमान उलहक

हाथरस। किवानी क्लब ऑफ अलीगढ़ इंटरनेशनल के संस्थाजनो ने आज सेवा कार्यों के कार्यक्रम अंतर्गत सेवा भारती हाथरस के बाल संस्कार केन्द्र बेलन शाह एवं बाग बैनीराम केन्द्र के सौ बच्चों को पुष्टाहार वितरण किया। इस अवसर पर बच्चों ने सरस्वती वंदना एवं संस्कार जन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए। आयोजन की अध्यक्षता पूर्व चेयरमैन श्रीमती डौली माहौर ने की। सेवा भारती हाथरस के संरक्षक श्री शिव कुमार शर्मा ने सेवा भारती हाथरस द्वारा संचालित सेवा कार्यों का परिचय दिया तथा क्लब पदाधिकारियों का धन्यवाद व्यक्त किया। संचालन श्री बासुदेव माहौर ने किया। आयोजन में सेवा भारती से श्री ललित किशोर अग्रवाल, भंवर सिंह पौरुष उपा ध्यक्ष डा, महेन्द्र कुमार शर्मा कोषाध्यक्ष, गोपाल प्रसाद मिश्र जिला मंत्री, श्री अनिल कुमार अग्रवाल नगर अध्यक्ष। अल्प संख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष श्री मुबीन खान एवं शिक्षिकाऐ कु, सीमा ने आयोजन व्यवस्था में विशेष सहयोग प्रदान किया श्रीमती रेनू रावत ने कार्यक्रम में भाग लिया।

यूनिटेक के चंद्रा बंधुओं से मिलीभगत में तिहाड़ जेल अधिकारियों को निलंबित करने के आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को तिहाड़ जेल के उन अधिकारियों को तत्काल निलंबित करने और आपराधिक जांच का निर्देश दिया है जिन्होंने यूनिटेक के पूर्व प्रमोटरों संजय चंद्रा और अजय चंद्रा को जेल में रहने के दौरान अनुचित सहायता प्रदान की थी। दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना की रिपोर्ट पर गौर करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश दिया। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एमआर शाह की पीठ ने आदेश दिया कि इस कार्यवाही के लंबित रहने तक तिहाड़ जेल के ये अधिकारी निलंबित रहेंगे। दरअसल, दिल्ली पुलिस आयुक्त अस्थाना ने अपनी 28 सितंबर की रिपोर्ट में उल्लेखित व्यक्ति के साथ-साथ उन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भी आपराधिक जांच की अनुमति मांगी थी जिनका उल्लेख रिपोर्ट में नहीं किया गया है। पीठ को यह भी बताया गया कि इन जेल अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने जेल प्रबंधन को मजबूत करने और उपाय करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय से सुझाव मांगे हैं।

गले में इंफेक्शन होने पर तुरंत करें ये देसी उपाय, नहीं पड़ेगी दवा की जरूरत

मौसम में आए बदलाव, सर्द-गर्म व गलत खान-पान की वजह से गले से जुड़ी इंफेक्शन होना आम सी बात है। कई बार इस इंफेक्शन का कारण एलर्जी व धूम्रपान भी हो सकते हैं। यह इंफेक्शन गले में चुंभन-सूजन, खराश, कर्कश भरी आवाज, हल्की खांसी के साथ दर्द व खाने की परेशानी भी दे सकती है। संक्रमण होने पर खराश की परेशानी सबसे पहले होती है जो बाद में आवाज का भारीपन व दर्द आदि की समस्या पैदा करती है। दरअसल, हमारे गले के दोनों तरफ टॉन्सिल्स होते हैं जो कीटाणुओं, बैक्टीरिया व वायरस से गले को बचाते हैं लेकिन जब ये टॉन्सिल्स खुद संक्रमित हो जाते हैं तो ऐसी दिक्कतें आनी शुरू हो जाती हैं जिसे टॉन्सिलाइटिस कहते हैं। वैसे तो एंटीबायोटिक व सहीं देखभाल से संक्रमण ठीक हो जाता है लेकिन सही देखभाल ना होने पर यह समस्या बढ़कर गंभीर रूप भी ले सकती है।

दवा के उपचार के साथ अगर आप कुछ परहेज करेंगे तो गले की इंफेक्शन में राहत जल्दी मिलेगी। वहीं, अगर आप मौसम के अनुसार अपना खान-पान सहीं रखेंगे तो इंफेक्शन से बचा भी जा सकता है और अगर इंफेक्शन के शिकार हो गए हैं तो सहीं टिप्स अपनाकर इससे राहत भी पाई जा सकती है।

इंफेक्शन होने पर अपनाएं नुस्खें

गले की खराश और आवाज का भारीपन, सर्दी-जुकाम होने का पहला लक्षण है इसलिए तुरंत टिप्स अपनाकर कोल्ड कफ की तकलीफ से बचा जा सकता है।

गर्म पानी के गरारे

खराश की परेशानी होते ही तुरंत गरारे करें। एक गिल्स गर्म पानी में 2 चुटकी नमक डालें और इस पानी से रोजाना दिन में 3 से 4 बार गरारे करें। खराश की समस्या ठीक होगी और इंफेक्शन भी यहीं खत्म हो जाएगा।

विटामिन सी

विटामिन सी इम्युन सिस्टम को स्ट्रांग करता है, जिससे इस तरह का इंफेक्शन जल्दी शरीर को नहीं जकड़ पाता। हवा में फैल संक्रमण फैलना व खान-पान में गड़बड़ी ही गला खराब होने की मुख्य वजहें हैं इसलिए प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत रखें। विटामिन सी खट्टे फलों में भरपूर होता है। संतरा इनमें से सबसे बेस्ट है। इस बात का ध्यान रखें कि संतरे का सेवन दोपहर के समय करें।

इमली

इमली में भी विटामिन सी भरपूर होता है। खराश होने पर इमली के पानी से कुल्ला करें। ध्यान रखें कि आपको इमली के पानी के सिर्फ गरारे करने से इसे पीना नहीं है।

हल्दी और दूध

रात को सोने से पहले 1 गिलास गर्म दूध में 1 टीस्पून हल्दी और चुटकी भर काली मिर्च डालकर पीएं। इससे गले की सूजन ठीक हो जाएगी।

लहसुन

लहसुन के कुदरती एंटीसैप्टिक के गुण होते हैं जो इंफेक्शन से बचाव करने का काम करते हैं। लहसुन की एक कली को मुंह में रखकर चूसे। इसका रस गले में जाने से आराम मिलेगा।

सौंफ

खाना खाने के बाद सौंफ जरूर चबाएं, इससे खराश ठीक होगी और बंद गला खुल जाएगा।

भाप लेना

गले में भारीपन या दर्द महसूस होने पर तुरंत ही भाप लें। किसी बर्तन में पानी गर्म करके तौलिए से मुंह ढककर भाप लें। ऐसा करने से गले के दर्द से राहत मिलेगी।

मसाला चाय

सर्दियों में कोल्ड कफ होना आम है। इससे बचने के लिए लौंग, अदरक, तुलसी और काली मिर्च को पानी में डालें और उबाल लें। इस पानी की चाय बनाकर सेवन करें।

कुछ चीजों से रखें परहेज

गले की परेशानी से जल्दी राहत पाना चाहते हैं तो कुछ चीजों से परहेज जरूर करें। जैसे तली-भूनी, बासी, दही, ठंडी चीजों से परहेज करें क्योंकि यह चीजें इंफेक्शन को बढ़ा देते हैं।

आक के पौधे से करें इन 6 बड़ी-बड़ी बीमारियों का जड़ से इलाज

औषधिय गुणों से भरपूर आक के पौधे का इस्तेमाल पूजा के लिए किया जाता है। पूजा के लिए इस्तेमाल होने वाला यह पौधा सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसके फूल-पत्तियों का इस्तेमाल अस्थमा, डायबिटीज, कुष्ठ रोग और बवासीर जैसी बीमारियों को दूर करने में मदद करता है। मदार, अर्क या अकोवा के नाम से पहचाने जाने वाले इस पौधे से और भी स्किन में एलर्जी या खुजली जैसी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। विषैला होने के बावजूद भी इस पौधे में कई औषधिय गुण पाएं जाते हैं। तो आइए जानते है किस तरह इस पौधे के फूल, पत्ते का इस्तेमाल से बड़ी-बड़ी बीमारियों को दूर करने में मदद करता है।

1. अस्थमा

इसके फूलों को सूखा कर रोजाना इसका चूर्ण खाने से अस्थमा, फेफडों के रोग और शरीर की कमजोरी दूर हो जाती है।

2. खुजली

स्किन में एलर्जी या रूखेपन के कारण खुजली की समस्या हो जाती है। इससे छुटकारा पाने के लिए इसकी जड़ को जला लें। इसकी राख को कड़वे तेल में मिलाकर खुजली वाली जगहें पर लगाएं। खुजली की परेशानी दूर हो जाएगी।

3. डायबिटीज

रोजाना सुबह इस पौधे की पत्तियों को पैर के नीचे रख कर जुराबें डाल लें। रात को सोने से पहले इस पत्ते को निकाल दें। इसका इस्तेमाल शुगर कंट्रोल करने में मदद करता है।

4. कुष्ठ रोग

इसकी पत्तियों को पीस कर सरसों के तेल में मिक्स करें। इसे कुष्ठ रोग के घाव पर लगाएं। इसे नियमित रूप से लगाने पर घाव जल्दी भर जाएगी।

5. बवासीर

आक का पत्ता और डण्ठल को पानी में भिगो दें। इसे पीने से बवासीर की समस्या हमेशा के लिए दूर हो जाएगी।

6. चोट लगना

शरीर के किसी भी हिस्से में चोट लगने पर आक के पत्तों को गर्म करके बांध लें। इससे चोट से खून बहना बंद होने के साथ-साथ दर्द और सूजन भी दूर हो जाएगी।

एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर ये चीजें, जरूर करें इनका सेवन

स्वस्थ रहने और बीमारीयों से दूर रहने के लिए इम्यून सिस्टम का ठीक होना बहुत जरूरी है। इम्यून सिस्टम के कमजोर होने पर कई बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर भोजन का सेवन शरीर इम्यून सिस्टम को बढ़ाने का काम करता है। एंटीऑक्सीडेंट ऐसा तत्व हैं, जो शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकाल कर आपको स्वस्थ रखने में मदद करता है। एंटीऑक्सीडेंट भोजन का सेवन करने से कैंसर, दिल के रोग, स्ट्रोक और बुढ़ापे की बीमारियां दूर होने के साथ-साथ शरीर में कई पोषक तत्वों की कमी को भी पूरी होती है। इसलिए बहुत जरूरी है कि शरीर में कभी भी एंटीऑक्सीडेंट की कमी न हों। शरीर में एंटीऑक्सीडेंट होने पर आप डाइट में कुछ चीजें शामिल करके इसकी कमी को पूरा कर सकते हैं।

1. लहसुन

लहसुन में सबसे अधिक मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट के गुण पाएं जाते है। भोजन में इसका इस्तेमाल या रोजाना 2-3 कच्चे लहसुन को शहद के साथ खाने से हृदय रोग और कैंसर से लड़ने में मदद मिलती है।

2. टमाटर

खाना बनाने के लिए हर कोई टमाटर का इस्तेमाल तो करता ही हैं। लेकिन ग्लूटाथियोन और एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर रोज 1-2 कच्चे टमाटर का सेवन इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है।

3. लौंग

रोजाना 5-6 भूनी हुई लौंग का सेवन पेट से जुड़ी परेशानियां जैसे गैस, एसिडिटी, कीड़े, कब्ज और पेट दर्द जैसी समस्याओं को दूर करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर